



Mr.RITHIK



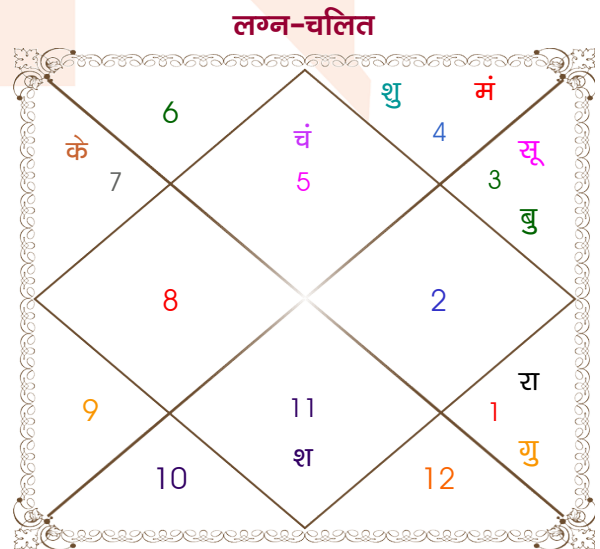
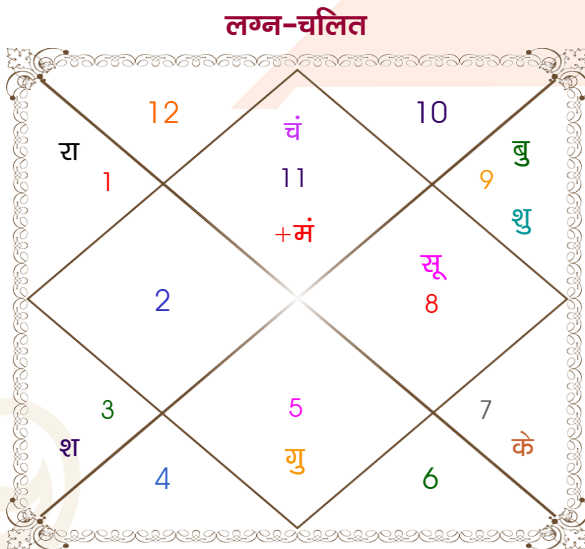
Ms.lakshitha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121547310

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
30/11/2003 :	जन्म तिथि	: 25/06/2023
रविवार :	दिन	: रविवार
घंटे 12:43:00 :	जन्म समय	: 10:32:00 घंटे
घटी 13:59:42 :	जन्म समय(घटी)	: 11:53:32 घटी
India :	देश	: India
Jodhpur :	स्थान	: Chennai
26:18:00 उत्तर :	अक्षांश	: 13:05:00 उत्तर
73:08:00 पूर्व :	रेखांश	: 80:18:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:37:28 :	स्थानिक संस्कार	: -00:08:48 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:07:07 :	सूर्योदय	: 05:44:40
17:44:50 :	सूर्यास्त	: 18:37:57
23:54:29 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 24:10:58

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 15वर्ष 2मा 23दि	09:04:09	कुंभ	लग्न	सिंह	15:00:58	सूर्य 5वर्ष 11मा 1दि
गुरु	13:44:44	वृश्चि	सूर्य	मिथु	09:14:23	सूर्य
22/02/2019	08:43:06	कुंभ	चंद्र	सिंह	26:50:24	25/06/2023
22/02/2035	27:01:39	कुंभ	मंगल	कर्क	26:36:29	27/05/2029
गुरु	11/04/2021	02:35:18	धनु	मिथु	01:55:51	सूर्य
शनि	23/10/2023	23:08:33	सिंह	मेष	14:03:59	चन्द्र
बुध	28/01/2026	10:07:51	धनु	कर्क	22:36:53	मंगल
केतु	04/01/2027	18:13:05	मिथु व	कुंभ	12:58:54	राहु
शुक्र	04/09/2029	26:25:52	मेष व	मेष	07:40:49	गुरु
सूर्य	23/06/2030	26:25:52	तुला व	तुला	07:40:49	शनि
चन्द्र	23/10/2031	05:11:21	कुंभ	मेष	27:15:37	बुध
मंगल	28/09/2032	16:54:03	मक	मीन	03:29:45	केतु
राहु	22/02/2035	25:23:51	वृश्चि	मक	05:33:22	शुक्र
			प्लूटो व			



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	11.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr.RITHIK का वर्ग मार्जार है तथा Ms.lakshitha का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.RITHIK और Ms.lakshitha का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.RITHIK मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा । न मंगली मंगल राहु योग ।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr.RITHIK कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.lakshitha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुण्डली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.lakshitha कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमे: वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः ।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.lakshitha कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.RITHIK कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.RITHIK तथा Ms.lakshitha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।